No. of Printed Pages : 3

बी.एच.डी.एफ.-101

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

06356

दिसम्बर, 2017

बी.एच.डी.एफ.-101 : हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं । इस प्रश्न-पत्र में* ***सात*** *प्रश्न हैं ।*

1. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए : *4*

(क) जिसकी लाठी उसकी भैंस

(ख) अपने पैरों पर खड़ा होना

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** के दो-दो पर्यायवाची बताइए : *4*

बादल, रात, कमल, समुद्र

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : *10*

(क) विद्यार्थी और राजनीति

(ख) नौकरी-पेशा नारी की समस्याएँ

(ग) भारत में टेलीविज़न का महत्त्व

(घ) साहित्य और समाज

4. पत्रिका सही समय पर न भेजने की शिकायत करते हुए सम्पादक को पत्र लिखिए । *6*

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और इसके आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

लगभग साढ़े चार सौ करोड़ वर्ष पूर्व हमारी पृथ्वी का जन्म हुआ । उस समय पृथ्वी एक लाल तपे हुए गोले के समान थी । उस समय जीव की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, क्योंकि वायुमंडल में तब प्राण देने वाली ऑक्सीजन गैस का पता तक नहीं था — केवल कार्बन डाइऑक्साइड, वाष्पकण और कुछ अंश में नाइट्रोजन आदि गैसें ही थीं । फिर करोड़ों वर्ष निकल गए । पृथ्वी धीरे-धीरे ठंडी पड़ने लगी । पृथ्वी का भीतरी भाग तो बहुत गर्म और पिघली अवस्था में बना रहा किंतु ऊपरी सतह ठंडी होकर ऊबड़-ख़ाबड़ कड़ी पपड़ी जैसी हो गई ।

(क) हमारी पृथ्वी का जन्म कब माना जाता है ? 2

(ख) पृथ्वी की किस अवस्था में वहाँ जीव की कल्पना नहीं की जा सकती थी ? 4

(ग) पृथ्वी पर जीवन-यापन कब सम्भव हुआ ? 4

6. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** का आशय लगभग 200 शब्दों में लिखिए : 6

(क) चरन कमल बंदौं हरि राई ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे को सब कछु दरसाई ।।
बहिरौ सुने गूँग पुनि बोलै रंक चलै सिर छत्र धराई ।
सूरदास स्वामी करुनामय बार-बार बंदौं तिहि पाई ।।

(ख) जब मैं छोटा था, माँ के साथ जाता था । माँ-पिताजी का हाथ बँटाने । तगाओं (त्यागियों) के खाने को देखकर अक्सर सोचा करता था कि हमें ऐसा खाना क्यों नहीं मिलता ? आज जब सोचता हूँ तो जी मितलाने लगता है ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(क) 'पूस की रात' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'वैष्णव की फिसलन' निबंध की विशेषताएँ बताइए ।

(ग) 'कीरति भनिति भूति भल सोई ।
सुरसरि सम सब कहुँ हित होई ।।'
इन पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'जीने की कला' निबंध में महादेवी वर्मा ने क्या संदेश दिया है ? बताइए ।